≨ ,

श्रम विशास

आदेश

## दिनांक 10 श्रगस्त, 1984

सं ग्रो. वि /ग्रम्बालां/115-83/29749 क्वित्वां हिंद्याणा के राज्यपाल की राग है कि मैं. मैंनेंजिंग डायनैनटर, हरियाणा एग्रो इण्डम्हीज कारपी शान कि., मैंनटर 22-ए, चण्डीगढ, के श्रमिक श्री मुरेण कुमार तथा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके वाद लिखित सामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है ;

श्रीर वूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इस लिए, अब, ओद्योगिक विवाद अधिनियम, 19 17 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिन्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं. 3(44)84-3-अम, दिनांक 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम व्यायानिय, अम्बाला, को विवादप्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनण्य के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों उद्या श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अधवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री सुरेश कुमार की सेवाश्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो यह किस राहत का हकदार है ?

स.ओ. वि./ग्रम्बाला/115-83/29755.--चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं. मैंनेजिंग डायरैक्टर, हरियाणा एग्रो इण्डस्ट्रीज कारगोरेशन लि., सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़, के श्रमिक श्री राम धन नधा उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित र मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है ;

ं और चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायिमणीय हेतु निक्षिट किरमा बांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विताद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई मिनियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा लरकारी अधिस्थना सं 3(44)-84-3-अम, दिनांक 19-4-84 शर् अवत अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठिन अम न्यायालये, अम्झाला, को विवाद प्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला प्रायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवाद प्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :---

क्या श्री राम धन की सेवझों का समापन त्यायोचित तथा ठीक हैं? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

## दिनांक 14 ग्रगस्त, 1984

स. ओ. वि./एफ.डी./102-84/30695.--वृति हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं एस्कोर्टस लि. ट्रैक्टर डिविजन, सैक्टर-13, फरीदाबाद, के श्रीमक श्री महीपाल शर्मा तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है।

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वाछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, श्रीद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (म) द्वारा भवान की गई णिक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा शरकारी अधिसूचना सं. 5415—3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जृत, 1'968 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं. 11495—जी.—श्रम-68-शम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उचत अधिनियम की धारा के 7 अधीन भिटत श्रम न्यायालय, करीदावाद, को विवादर स्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा गामला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादप्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा

वया श्री महीपान शर्मा की सेवाओं का समापन न्यायोचित तैया ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार